Γ.

सं॰ जो॰िव | यमुना | 32-83 | 65958. — चूं कि हिरयाणा के राज्यपाल की राय है कि मैसर्ज ए क्सीयन श्रोपरेशन डिवीजन हिरयाणा राज्य बिजली बोर्ड, यमुना नगर, के श्रीमकों तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई मौद्योगिक विवाद है:

ग्रीर चूंकि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को ग्यायनिर्णय हेतु निविष्ट करना बांछनीय समझते है;

इसलिए, ग्रब, भोद्योगिक विवाद प्रधितियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा () के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राष्ट्रपाल इसके द्वारा उद्य श्रिष्ठित्यम की धारा 7-क के अधीन गठित भौद्योगिक श्रिष्ठिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्दिष्ठ मामले, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमकों के बीच या तों विवादग्रस्त मामला (मामलें) है/हैं, श्रयवा विवाद से संगत या सम्बन्धित मामला (मामलें) है/हैं न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करते हैं।

क्या हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के ग्रोपरेशन डिवीजन यमुनानगर के ऐसे दैनिक बेतन भोगी श्रिमिक जिन्होंने 240 दिन की लगातार सेवा कर चुके हैं वह वर्कचार्ज टी० मेंट नियुक्त होने के हकदार हैं ग्रीर क्या वह तमाम बैट सुविधाय तथा लाभ जो वर्कचार्ज टी० मैट को मिल रहे हैं के हकदार ह? यदि हां तो किस विवरण से ?

सं जो.वि./एफ.डी,/197-83/55999. चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैसर्ज पी. एच. फोर्जिंग प्लाट नं 300, सैक्टर-24, फरीदाबाद, के श्रीमकों तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूं कि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते है;

इसलिए, भ्रव, भ्रौद्योगिक विवाद भ्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (Î) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त भ्रधिनियय की धारा 7-क के भ्रधीन गठित भ्रौद्योगिक ग्रधिकरण, हरियाणा फरीदाबाद को नीचे विनिद्धिट मामलें जो कि उक्त प्रवन्धकों सथा श्रमिकों के बीच या तो विवादगस्त मामला (मामलें) है/हैं, ज्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

- 1. क्या श्रमिक वर्ष 1981-82 तथा वर्ष 1982-83 के बौनस के हकदार हैं ? यदि हैं तो, किस विवरण में ?
- 2. क्या श्रमिक वर्दियों कें लेने के हकदार हैं ? यदि हैं तो किस विवरण में ?
- क्या श्रमिक होट ग्रालाऊंस के हकदार हैं ? यदि हैं तो किस विवरण में ?
- 4. क्या श्रमिक रात्री भत्ता के हकदार हैं ? यदि हैं तो किस विवरण में ?

एल. सी. गुप्ता,

श्रायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम तथा रोजगार विभाग ।

्रश्रम वभाग

श्रादेश

## 18 प्रक्तूबर, 1983

सं शो. वि. /फरीदाबाद/42-83/56638. — पू कि हरियाणा के राज्यपाल की राए है कि मैसर्ज विक्टोरा टूल इंजिनियर्स प्लाट नं 46 सैक्टर 25, बल्लबगढ़ के श्रीमकों तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कीई भौधोगिक विवाद है;

झौर<sup>्रा</sup>चूं कि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसिलए, ग्रब, ग्रोबोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की खप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गर्ड शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उन्त ग्राधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित ग्रोबोगिक ग्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उन्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त हैं न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या सर्वश्री कैलाम, वेद प्रकाम, सतपाल, फतेह व इन्द्र सिंह की सेवामों की समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वे किस राहत के हकदार है ?

सं श्रो वि. /फरीदाबाद/42-83/56645. —श्रोद्योगिक विवाद श्रिधितयम, 1947, की धारा 10 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों तथा इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाले सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल मैसर्ज विक्टोरा टूल इन्जिनियसे प्लाट नं० 46, सुक्टर-25, बल्लबगढ़ के श्रमिकों द्वारा की गई हड़ताल जारी रखने पर प्रतिबन्ध लगाते हैं क्योंकि पूर्वीक्त समुत्यान (कंसर्न) के श्रमिकों तथा प्रबन्धकों के मध्य विवादनिर्णय हेतु औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा फरीदाबाद को निदिष्ट किया जा चुका है।

मुनीश गुप्ता,

श्रायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम तथा रोजगार विभाग।

श्रम विभाग

श्रादेश

## दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1983

सं. म्रो.वी./पानीपत/65-83/54897. — वूं कि राज्यपाल हरियाणा की राए है कि मैसर्ज एन० ए० एन० वूलन मिल्जः, तोहाना रोड, पानीपत के श्रमिक श्री राम राज तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीकोणिक विवाद है;

बौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं:

इसलिए, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की घारा 10 की उप-घारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियागा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रधिनियम की घारा 7-कं के श्रशीन श्रीद्योगिक श्रविकरण, हरियागी, करोदाबाद, की नीवे निर्देश्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मीमले श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्गय के लिए निर्दिश्ट करते हैं।

क्यां श्री राम राज की सेवांझों का संमापनं न्यायोजितं तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो वी ०/एफ० डी ०/222-83/54903. - चूं कि राज्यसल हरियाणा की राए है कि मैसर्ज गर्ग एसोसियेटस, व्लाट नं ०246, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री महिन्द्र सिंह तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूं कि हरियाणां के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, जब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उप-घारा (I) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरिवाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन भौद्यौगिक भ्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बधित मामले श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं;

क्या श्री महि-द्रसिंह की सेवासों का समापन त्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राह्य की हकदार है ?